International Journal in Management and Social Science
Volume 12 Issue 04, April 2024 ISSN: 2321-1784 Impact Factor: 8.088
Journal Homepage: http://ijmr.net.in, Email: irjmss@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal

उच्च माध्यमिक स्तर के छात्रों की व्यक्तित्व आवश्यकताओं के सन्दर्भ में शैक्षिक उपलब्धि का अध्ययन

क्षमा रानी
शोधार्थी, शिक्षा विभाग, कॉलिज ऑफ ऐजूकेशन, आई०आई०एम०टी० विश्वविद्यालय मेरठ (उ.प्र.), भारत।

डा0 संजीव कुमार
आचार्य, शिक्षा विभाग, कॉलिज ऑफ ऐजूकेशन, आई०आई०एम०टी० विश्वविद्यालय मेरठ (उ.प्र.), भारत।

सारांश

शोधार्थिनी द्वारा मेरठ मण्डल के चार जनपदों में स्थित माध्यमिक विद्यालयों के 512 छात्रों पर "माध्यमिक विद्यालय के छात्रों की उपलब्धि अभिप्रेरणा, मूल्य तथा व्यक्तित्व आवश्यकताओं के विभिन्न स्तरों का उनकी शैक्षिक उपलब्धि के सन्दर्भ में अध्ययन" शीर्षक के अन्तर्गत शोध कार्य किया गया है। प्रस्तुत शोध अध्ययन में चयनित न्यादर्श को बालक एवं बालिका वर्ग तथा मानविकी एवं विज्ञान वर्ग में वर्गीकृत किया गया। शोध–अध्ययन की व्यापकता को देखते हुये प्रस्तुत शोध पत्र में केवल व्यक्तित्व आवश्यकताओं तथा उपलब्धि अभिप्रेरणा से सम्बन्धित परिकल्पनाओं व उनके परिणामों को प्रस्तुत किया गया है। प्रस्तुत शोध अध्ययन की प्राप्ति यह रही है कि छात्रों की यौन भिन्नता आधारित वर्ग समूह में उपलब्धि अभिप्रेरणा एक समान होती है जबकि विषय वर्ग आधारित मानविकी एवं विज्ञान समूह के छात्रों में विज्ञान वर्ग के छात्रों की उपलब्धि अभिप्रेरणा मानविकी वर्ग के छात्रों की उपलब्धि अभिप्रेरणा से उच्च होती है। यौन भिन्नता के आधार पर छात्र समूहों की व्यकितत्व की स्वातंत्र्य आवश्यकता मे अन्तर पाया गया जबकि विषय वर्ग मानविकी एवं विज्ञान समूहों के छात्रों की प्रदर्शन आवश्यकता में अन्तर पाया गया।

मुख्य शब्दः उपलब्धि अभिप्रेरणा, व्यक्तित्व आवश्यकताएं, छात्र वर्ग समूह।

प्रस्तावना

दुर्खीम के अनुसार शिक्षा एक स्थिर रहने वाली घटना नहीं है बल्कि यह एक गतिशील और सदा बदलती रहने वाली घटना है, वर्तमान समय में बालक की शैक्षिक उपलब्धि अधिगम प्रक्रिया में एक महत्वपूर्ण शैक्षणिक घटक हो गई है। बालक की शैक्षिक उपलब्धि को सुगम, रूचिपूर्ण व अच्छा बनाने के लिए माता–पिता की आशायें एवं निर्देशन बच्चे के जीवन में शुरु से ही उच्च उपलब्धि प्राप्ति की आवश्यकता की भावना को भर देते है। इसके अतिरिक्त शिक्षक एवं सहपाठी के प्रयास भी छात्र को अच्छी शैक्षिक उपलब्धि प्राप्त करने के लिए प्रेरित करते हैं। छात्र की अधिगम प्रक्रिया में शैक्षिक उपलब्धि को उन्नत बनाने हेतु उसे प्रेरित करने वाले ये कारक ही छात्रों के लिए उपलब्धि अभिप्रेरणा बन जाते हैं। उपलब्धि अभिप्रेरणा का विकास अनेक तत्वों से प्रभावित होता है जैसे घर, समाज, समुदाय, विद्यालय आदि बालक के जीवन के प्रथम चरणों में अभिवृत्ति एवं प्रेरकों के विकास के प्रशिक्षण में सहायक होते है। वर्तमान युग में मनोवैज्ञानिक विचारधारा के अनुसार अभिप्रेरणा और शिक्षा को अलग नहीं किया जा सकता। शिक्षा में छात्रों का सीखना भी शामिल है और अध्यापकों का शिक्षण कार्य भी अतः अध्यापक को दोनों पक्षों में संतुलन रखना पड़ता है। विद्यार्थियों को प्रोत्साहन देना, सीखने के उद्‌देश्यों को स्पष्ट करना, विद्यार्थियों से किसी प्रकार का भेदभाव करना, विद्यार्थियों के आत्मसम्मान को पहिचानना आदि सीखने की परिस्थितियों का निर्माण करते हैं। कक्षा में अभिप्रेरणा विद्यार्थियों के व्यवहार को दिशा प्रदान करता है अभिप्रेरणा से विद्यार्थियों का व्यवहार ही बदल जाता है। छात्र

के व्यक्तित्व का निर्धारण उसकी मनोदैहिक एवं वतावरणीय आश्यकताओं की पूर्ति के आधार पर निर्धारित होता है। अतः छात्र के व्यक्तित्व को निर्धारित करने वाली ये आवश्यकताएँ ही व्यक्तित्व आवश्यकताएँ कहलाती हैं। यदि इन आवश्यकताओं की पूर्ति समय पर होती रहती है तो छात्र के क्रियाकलाप एवं अन्य उपलब्धियाँ सामान्य रूप से प्रभावित नहीं होती हैं। परन्तु यदि इन आवश्यकताओं की पूर्ति न हो अथवा समय पर न हो तब छात्र के क्रियाकलाप एवं अन्य उपलब्धियाँ विचलति हो जाते हैं। उदाहरण के लिए– यदि किसी छात्र को भूख लगने पर भोजन की प्राप्ति न हो अथवा विलम्ब से हो तब वह छात्र किसी अन्य कार्य मे मन नहीं लगा सकता उसका ध्यान तो केवल अपनी क्षुधा को कैसे शांत किया जाये ? उसी ओर रहता है। अतः व्यक्तित्व आवश्यकताएँ छात्र के कार्यों तथा अन्य पक्षों को किसी न किसी प्रकार प्रभावित करती हैं। छात्रों की व्यक्तित्व आवश्यकताओं का उनकी शैक्षिक उपलब्धि के साथ प्रभाव का अध्ययन करने के लिए शोधार्थी ने शोध समस्या ''माध्यमिक विद्यालय के छात्रों की उपलब्धि अभिप्रेरणा, मूल्य एवं व्यक्तित्व आवश्यकताएओं, के विभिन्न स्तरों पर उनकी शैक्षिक उपलब्धि का अध्ययन'' पर शोध कार्य किया। प्रस्तुत शोध पत्र में शोध–अध्ययन की व्यापकता को देखते हुये केवल उपलब्धि अभिप्रेरणा एवं मूल्यों से सम्बन्धित परिकल्पनाओं व उनके परिणामों को प्रस्तुत किया गया है।

महत्वपूर्ण पदों की परिभाषा

1. माध्यमिक विद्यालय के छात्रः– माध्यमिक विद्यालय के छात्र से अभिप्राय उन छात्रों से है जो मेरठ मण्डल के किसी जनपद में भारत सरकार द्वारा संचालित माध्यमिक विद्यालय में कक्षा 11 व 12 में शिक्षा ग्रहण करते हैं।
2. व्यक्तित्व आवश्यकताएँः– प्रस्तुत अध्ययन में प्रयुक्त उपकरण के सभी दसों आयामों– (1) सम्प्राप्ति आवश्यकता, (2) प्रदर्शन आवश्यकता, (3) सान्निध्य आवश्यकता, (4) पराश्रय आवश्यकता, (5) प्रभुत्व आवश्यकता, (6) स्वातन्त्रय आवश्यकता, (7) परोपकार आवश्यकता, (8) सहनशीलता आवश्यकता, (9) आक्रामकता आवश्यकता तथा (10) आत्महीनता आवश्यकता को सम्मिलित किया गया है।
3. विभिन्न स्तरः विभिन्न स्तर से अभिप्राय व्यक्तित्व आवश्यकता के उस उच्च एवं निम्न स्तर से है जो सम्बन्धित समूह के मध्यमान से उच्च एवं निम्न अंक क्रमशः प्राप्त करते हैं।
4. शैक्षिक उपलब्धिः शैक्षिक उपलब्धि से अभिप्राय यह है कि चयनित नयादर्शों के कक्षा 11वीं के परीक्षाफल में प्राप्तांकों को उनकी शैक्षिक उपलब्धि के रूप में प्रमाणिक माना गया है।

अध्ययन के प्राप्य उद्देश्यः

शोध–अध्ययन में व्यक्तित्व आवश्यकताओं एवं शैक्षिक उपलब्धि से सम्बन्धित प्राप्य उद्देश्य निम्नलिखित प्रकार से रहे–

1. माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की व्यक्तित्व आवश्यकताओं का अध्ययन करना।
2. माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि का अध्ययन करना।
3. माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की व्यक्तित्व आवश्यकताओं के सन्दर्भ में उनकी शैक्षिक उपलब्धि का विश्लेषणात्मक अध्ययन करना।

International Journal in Management and Social Science
Volume 12 Issue 04, April 2024 ISSN: 2321-1784 Impact Factor: 8.088
Journal Homepage: http://ijmr.net.in, Email: irjmss@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal

अध्ययन की परिकल्पनाएं:

1. माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् बालक एवं बाालिका वर्ग के विद्यार्थियों की व्यक्तित्व आवश्यकताओं में सार्थक अन्तर नहीं होगा।
2. माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् मानविकी एवं विज्ञान वर्ग के विद्यार्थियों की व्यक्तित्व आवश्यकताओं में सार्थक अन्तर नहीं होगा।
3. माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की व्यक्तित्व आवश्यकता के विभिन्न स्तरों का उनकी शैक्षिक उपलब्धि के साथ कोई सार्थक सहसम्बन्ध नहीं होगा।

उपरोक्त परिकल्पना–3 के आलोक में निम्नलिखित दो उपपरिकल्पनाओं का निर्माण किया गया–

3.1 माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की व्यक्तित्व आवश्यकता के उच्च स्तर का उनकी शैक्षिक उपलब्धि के साथ कोई सार्थक सहसम्बन्ध नहीं होगा।

3.2 माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की व्यक्तित्व आवश्यकता के निम्न स्तर का उनकी शैक्षिक उपलब्धि के साथ कोई सार्थक सहसम्बन्ध नहीं होगा।

अध्ययन की परिसीमाएं: शोध अध्ययन को केवल मेरठ मण्डल के विभिन्न जनपदों में संचालित माध्यमिक विद्यालयों के कक्षा 12वीं के केवल 512 छात्रों तक सीमित किया गया है।

अध्ययन की विधि: प्रस्तुत अध्ययन में मुख्य रूप से "सर्वेक्षणात्मक विधि" को अपनाया गया है और इसमें तुलनात्मक एवं विश्लेषणात्मक शोध प्रारूप को अपनाया गया।

न्यादर्श: प्रस्तुत अध्ययन के लिए (2x2) कारक प्ररचना पर आधारित बहुस्तरित दैव न्यादर्श विधि द्वारा माध्यमिक विद्यालयों से अलग–अलग विज्ञान व कला वर्ग के आधार पर 512 बालक छात्रों तथा बालिका छात्रों का चयन किया गया।

शोध उपकरण: शोध अध्ययन में मीनाक्षी भटनागर द्वारा विकसित व्यक्तित्व आवश्यकता मापनी का उपयोग प्रमापीकृत शोध उपकरण के रूप में किया गया।

सांख्यिकीय मापक: शून्य परिकल्पनाओं के परीक्षण के लिए टी–परीक्षण का प्रयोग किया गया है।

समंक विश्लेषण व परिकल्पना सत्यापन:

परिकल्पना संख्या–1 "माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् बालक एवं बाालिका वर्ग के विद्यार्थियों की व्यक्तित्व आवश्यकताओं में सार्थक अन्तर नहीं होगा" के परीक्षण हेतु प्रयुक्त सांख्यिकीय विश्लेषण अग्रलिखित प्रकार से है–

तालिका–1

माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् बालक एवं बाालिका वर्ग के विद्यार्थियों की व्यक्तित्व आवश्यकताओं पर प्राप्तांकों के मध्यमानों की सार्थकता के अंतर का प्रदर्शन

क्र. सं.	व्यक्तित्व आवश्यकताएँ	बालक वर्ग (N=256)		बालिका वर्ग (N=256)		t–मान	सार्थकता .05 स्तर पर
		मध्यमान (M)	प्र.वि. (S.D.)	मध्यमान (M)	प्र.वि. (S.D.)		
1	सम्प्राप्ति आवश्यकता	9.64	1.28	9.32	1.35	0.006	असार्थक
2	प्रदर्शन आवश्यकता	5.23	1.43	5.15	1.44	0.502	असार्थक
3	सान्निध्य आवश्यकता	5.18	1.75	5.34	1.81	0.322	असार्थक
4	पराश्रय आवश्यकता	5.46	2.06	5.47	2.14	0.949	असार्थक
5	प्रभुत्व आवश्यकता	5.57	1.91	5.57	1.90	0.014	असार्थक
6	स्वातन्त्रय आवश्यकता	5.14	1.58	5.13	1.72	0.910	असार्थक
7	परोपकार आवश्यकता	14.30	1.99	13.37	2.18	0.720	असार्थक
8	सहनशीलता आवश्यकता	13.67	2.29	13.96	2.39	0.159	असार्थक
9	आक्रामकता आवश्यकता	10.93	1.42	10.96	1.54	0.835	असार्थक
10	आत्महीनता आवश्यकता	14.58	1.67	14.60	1.83	0.939	असार्थक

उपरोक्त तालिका संख्या–1 के अवलोकन से विदित होता है कि माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् बालक एवं बालिका वर्ग के विद्यार्थियों की व्यक्तित्व आवश्यकता के सभी दस आयामों पर प्राप्तांकों के मध्यमानों हेतु प्राप्त टी–मान स्वतंत्रता के अंश 510 हेतु 0.05 स्तर पर तालिका मान 1.96 से कम होने के कारण असार्थक है। अतः इस सम्बन्ध में बनाई गई परिकल्पना संख्या–1 "माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् बालक एवं बाालिका वर्ग के विद्यार्थियों की व्यक्तित्व आवश्यकताओं में सार्थक अन्तर नहीं होगा" स्वीकृत की गई। जिसका अभिप्रायः है कि माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् बालक एवं बालिका वर्ग के विद्यार्थियों की व्यक्तित्व आवश्यकताएँ एक समान होती है।

परिकल्पना संख्या–2 "माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् मानविकी एवं विज्ञान वर्ग के विद्यार्थियों की व्यक्तित्व आवश्यकताओं में सार्थक अन्तर नहीं होगा" के परीक्षण हेतु प्रयुक्त सांख्यिकीय विश्लेषण अग्रलिखित प्रकार से है–

तालिका–2

माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् मानविकी एवं विज्ञान वर्ग के विद्यार्थियों की व्यक्तित्व आवश्यकताओं पर प्राप्तांकों के मध्यमानों की सार्थकता के अंतर का प्रदर्शन

क्र. सं.	व्यक्तित्व आवश्यकताएँ	बालक वर्ग (N=256)		बालिका वर्ग (N=256)		t–मान	सार्थकता .05 स्तर पर
		मध्यमान (M)	प्र.वि. (S.D.)	मध्यमान (M)	प्र.वि. (S.D.)		
1	सम्प्राप्ति आवश्यकता	19.34	1.86	16.32	1.43	2.681	सार्थक
2	प्रदर्शन आवश्यकता	7.39	1.78	7.18	1.64	0.783	असार्थक
3	सान्निध्य आवश्यकता	12.48	1.95	10.21	1.03	3.934	सार्थक
4	पराश्रय आवश्यकता	7.16	1.82	7.08	1.79	0.746	असार्थक
5	प्रभुत्व आवश्यकता	15.76	1.71	11.86	1.10	4.893	सार्थक
6	स्वातन्त्रय आवश्यकता	6.42	1.78	6.10	1.52	0.824	असार्थक
7	परोपकार आवश्यकता	12.30	1.69	12.37	1.63	0.010	असार्थक
8	सहनशीलता आवश्यकता	10.47	2.69	9.96	2.49	0.356	असार्थक
9	आक्रामकता आवश्यकता	11.24	1.32	10.74	1.24	0.915	असार्थक
10	आत्महीनता आवश्यकता	12.38	1.57	12.20	1.48	0.320	असार्थक

उपरोक्त तालिका संख्या–2 के अवलोकन से विदित होता है कि माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् मानविकी एवं विज्ञान वर्ग के विद्यार्थियों की व्यक्तित्व आवश्यकता के तीन आयामों–सम्प्राप्ति आवश्यकता, सान्निध्य आवश्यकता एवं प्रभुत्व आवश्यकता पर प्राप्तांकों के मध्यमानों हेतु प्राप्त टी–मान स्वतंत्रता के अंश 510 हेतु 0.05 स्तर पर तालिका मान 1.96 से अधिक होने के कारण सार्थक है। अतः इस सम्बन्ध में बनाई गई उप–परिकल्पनाएं अस्वीकृत की गईं। जबकि माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् मानविकी एवं विज्ञान वर्ग के विद्यार्थियों की व्यक्तित्व आवश्यकता के शेष सात आयामो पर प्राप्तांकों के मध्यमानों हेतु प्राप्त टी–मान स्वतंत्रता के अंश 510 हेतु 0.05 स्तर पर तालिका मान 1.96 से कम होने के कारण असार्थक है। अतः इस सम्बन्ध में बनाई गई उप–परिकल्पनाएं स्वीकृत की गईं।

जिसका अभिप्रायः है कि माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् मानविकी एवं विज्ञान वर्ग के विद्यार्थियों की व्यक्तित्व आवश्यकताएँ– सम्प्राप्ति आवश्यकता, सान्निध्य आवश्यकता एवं प्रभुत्व आवश्यकता भिन्न–भिन्न होती हैं तथा माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् मानविकी एवं विज्ञान वर्ग के विद्यार्थियों की शेष सात व्यक्तित्व आवश्यकताएँ– प्रदर्शन आवश्यकता, पराश्रय आवश्यकता, स्वातन्त्रय आवश्यकता, परोपकार आवश्यकता, सहनशीलता आवश्यकता, आक्रामकता आवश्यकता तथा आत्महीनता आवश्यकता एक समान होती है।

उप परिकल्पना संख्या–3.1 "माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की व्यक्तित्व आवश्यकता के उच्च स्तर का उनकी शैक्षिक उपलब्धि के साथ कोई सार्थक सहसम्बन्ध नहीं होगा" के आलोक में समंक विश्लेषण निम्न तालिका–3 में किया गया है :–

तालिका–3

माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की व्यक्तित्व आवश्यकता के उच्च स्तर पर प्राप्त उनकी शैक्षिक उपलब्धि के प्राप्तांकों के मध्यमानों के मध्य सहसम्बंध का प्रदर्शन

क्र. सं.	कारक	कुल छात्र संख्या	मध्यमान	प्र.वि.	r–मान	सार्थकता
1	व्यक्तित्व आवश्यकताओं का उच्च स्तर	322	94.65	32.92	0.216	.01 स्तर पर सार्थक
2	शैक्षिक उपलब्धि	322	65.26	24.86		

तालिका संख्या–3 के अवलोकन से विदित होता है कि माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् व्यक्तित्व आवश्यकता के उच्च स्तर वाले विद्यार्थियों की व्यक्तित्व आवश्यकता के उच्च स्तर पर प्राप्त मध्यमान तथा उनकी शैक्षिक उपलब्धि के मध्यमान के मध्य कार्लपियर्सन सहसम्बंध मान 0.216 तालिका में स्वतंत्रता के अंश 642 हेतु .01 स्तर पर अपने मान 0.097 से उच्च होने के कारण सार्थक हैं अतः उप परिकल्पना संख्या–3.1 "माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की व्यक्तित्व आवश्यकता के उच्च स्तर का उनकी शैक्षिक उपलब्धि के साथ कोई सार्थक सहसम्बन्ध नहीं होगा" अस्वीकृत की गई। जिसका अभिप्राय है कि माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की व्यक्तित्व आवश्यकता के उच्च स्तर का उनकी शैक्षिक उपलब्धि के साथ सकारात्मक सहसम्बंध होता है। जैसे–जैसे विद्यार्थियों की व्यक्तित्व आवश्यकताएं उच्च होती जाती हैं उनकी शैक्षिक उपलब्धि भी उच्च होती जाती है।

उप परिकल्पना संख्या–3.2 "माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की व्यक्तित्व आवश्यकता के निम्न स्तर का उनकी शैक्षिक उपलब्धि के साथ कोई सार्थक सहसम्बन्ध नहीं होगा" के आलोक में समंक विश्लेषण निम्न तालिका–4 में किया गया है :–

तालिका–4

माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की व्यक्तित्व आवश्यकता के निम्न स्तर पर प्राप्त उनकी शैक्षिक उपलब्धि के प्राप्तांकों के मध्यमानों के मध्य सहसम्बंध का प्रदर्शन

क्र. सं.	कारक	कुल छात्र संख्या	मध्यमान	प्र.वि.	r–मान	सार्थकता
1	व्यक्तित्व आवश्यकताओं का निम्न स्तर	190	41.56	17.33	0.003	.05 स्तर पर असार्थक
2	शैक्षिक उपलब्धि	190	39.52	18.22		

तालिका संख्या–4 के अवलोकन से विदित होता है कि माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् व्यक्तित्व आवश्यकता के निम्न स्तर वाले विद्यार्थियों की व्यक्तित्व आवश्यकता के निम्न स्तर पर प्राप्त मध्यमान तथा उनकी शैक्षिक उपलब्धि के मध्यमान के मध्य कार्लपियर्सन सहसम्बंध मान 0.003 तालिका में स्वतंत्रता के अंश 378 हेतु .05 स्तर पर अपने मान 0.097 से निम्न होने के कारण सार्थक हैं अतः उप परिकल्पना संख्या–3.2 "माध्यमिक

विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की व्यक्तित्व आवश्यकता के निम्न स्तर का उनकी शैक्षिक उपलब्धि के साथ कोई सार्थक सहसम्बन्ध नहीं होगा" स्वीकृत की गई। जिसका अभिप्राय है कि माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की व्यक्तित्व आवश्यकता के निम्न स्तर का उनकी शैक्षिक उपलब्धि के साथ कोई सहसम्बंध नहीं होता है।

परिणाम व्याख्याः

1. परिकल्पना–1 के स्वीकृत होने से परिणाम निकतलता है कि माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् बालक एवं बालिका वर्ग के विद्यार्थियों की व्यक्तित्व आवश्यकताएँ एक समान होती है अर्थात विद्यार्थियों के लिंग–भेद का उनकी व्यक्तित्व की आवश्यकताओं पर प्रभाव नहीं होता है।
2. परिकल्पना–2 के सन्दर्भ में माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् मानविकी एवं विज्ञान वर्ग के विद्यार्थियों की व्यक्तित्व आवश्यकता के तीन आयामों–सम्प्राप्ति आवश्यकता, सान्निध्य आवश्यकता एवं प्रभुत्व आवश्यकता से सम्बन्धित उपपरकिल्पनाओं के निरस्त होने से परिणाम निकलता है कि माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की सम्प्राप्ति आवश्यकता, सान्निध्य आवश्यकता एवं प्रभुत्व आवश्यकता पर उनके विषय वर्ग का प्रभाव होता है। मानविकी एवं विज्ञान वर्ग के विद्याथियों की सम्प्राप्ति आवश्यकता, सान्निध्य आवश्यकता एवं प्रभुत्व आवश्यकता भिन्न–भिन्न होती हैं। जबकि माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् मानविकी एवं विज्ञान वर्ग के विद्यार्थियों की व्यक्तित्व आवश्यकता के शेष सात आयामो से सम्बंधित उप–परिकल्पनाओं के स्वीकृत होने से परिणाम निकलता है कि माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की शेष सात व्यक्तित्व आवश्यकताओ– प्रदर्शन आवश्यकता, पराश्रय आवश्यकता, स्वातन्त्रय आवश्यकता, परोपकार आवश्यकता, सहनशीलता आवश्यकता, आक्रामकता आवश्यकता तथा आत्महीनता आवश्यकता पर विषय वर्ग का प्रभाव नहीं होता है।
3. परिकल्पना–3.1 के निरस्त होने से परिणाम मिलता है कि माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की व्यक्तित्व आवश्यकता के उच्च स्तर का उनकी शैक्षिक उपलब्धि के साथ सकारात्मक सहसम्बंध होता है। जैसे–जैसे विद्यार्थियों की व्यक्तित्व आवश्यकताएं उच्च होती जाती हैं उनकी शैक्षिक उपलब्धि भी उच्च होती जाती है।
4. परिकल्पना–3.2 के स्वीकृत होने से परिणाम मिलता है कि माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की व्यक्तित्व आवश्यकता के निम्न स्तर का उनकी शैक्षिक उपलब्धि के साथ कोई सहसम्बंध नहीं होता है।

उपसंहारः

शोध परिणामों से स्पष्ट होता है कि माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों की व्यक्तित्व आवश्यकताओं में लिंग भेद के आधार पर अंतर नहीं होता है अर्थात लड़के एवं लड़कियों की व्यक्तित्व आवश्यकताएं एक समान होती हैं। माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की सम्प्राप्ति आवश्यकता, सान्निध्य आवश्यकता एवं प्रभुत्व आवश्यकता पर उनके विषय वर्ग अर्थात मानविकी एवं विज्ञान वर्ग का प्रभाव होता है तथा विषय वर्ग के आधार पर इन विद्यार्थियों की इन तीन व्यक्तित्व आवश्यकताओं में अन्तर होता है। व्यक्तित्व आवश्यकताओं के उच्च स्तर का माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि के साथ

सकारात्मक सहसम्बंध होता है जबकि व्यक्तित्व आवश्यकताओं के निम्न स्तर का माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि के साथ कोई सहसम्बंध नहीं होता है।

सन्दर्भः

1. Angelica Lumanisa, Ariani, D. W. (2013). Personality and learning motivation. Theory. Research, 5(10), 26-38. The Influence of Personality Traits and Motivational Factors in Predicting Students Academic Achievement.2015.
2. Bidjerano, T., & Dai, D. (2007). The relationship between the big-five model of personality and self-regulated learning strategies. Learning and Individual Differences, 17, 69-81.
3. Devi, P., and Karan, P., Sudhakar, S., and Shakila, G. (2020). A study of personality and adjustment behavior among high school students in Tiruvallur district. International Journal of Science and Applied Research, (7)11, 18-25.
4. Dumnar (2018) personality characteristics and college students. The International Journal of Indian Psychology, 6(1,), 67-72.
5. Fathirezaie, Z., et al. (2024). Personality and motivation of physical activity in adolescent girls: effects ofperceived parental support and social physical anxiety. BMC Public Health 24(1), 1-9.
6. Khan, D (2018) Impact of personality traits on academic performance of management students. Journal of Organization and human behavior, 7(4), 43-55.
7. Nayak and Panda, H (2018) A study of guidance needs in relation to the personality types of secondary school students. Journal of Emerging Technology and Innovative Research, 5(6), 414-419.
8. Poropat A.E. A meta-analysis of the five-factor model of personality and academic performance. Psychol. Bull. 2009;135:322–338. doi: 10.1037/a0014996.
9. Sarif, S. Shajit, A, Soumya, p. and Thomas, S. (2021). The personality traits among youngsters are based on birth order. International Journal of Indian Psychology, 9(1), 623-629.
10. Shireen, N, Abi, A., and Thomas, S. (2021) Personality and happiness among college students. The international journal of Indian Psychology, 9(1), 615-622.
11. Srivastava, S.K. and Barmola, K. (2013). Personality and adjustment of students. Humanities and Social Science Studies, 2(1), 3-17.
12. Stajkovic, A. D., et al. (2018). "Test of three conceptual models of influence of the big five personalitytraits and self-efficacy on academic performance: A meta-analytic path-analysis." Personality andindividual differences 120, 238-245.